केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 104 गुरूवार 5 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

मिड टर्म चुनावों में ट्रंप की करारी हार

वाशिंगटन/नई दिल्ली (आभा)। अमेरिका में हाल ही में संपन्न हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने वाशिंगटन में राजनीतिक शक्ति संतुलन बदल दिया है। महंगाई और बढ़ती जीवन लागत के खिलाफ अमेरिकी मतदाताओं के जनादेश के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में हार का सामना करना पड़ा है। इस राजनीतिक उलटफेर के बाद वैश्विक व्यापार, खासकर भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बढ़ती कीमतों और टैरिफ यानी इंपोर्ट ड्यूटी के बढ़ते बोझ के विरोध में मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में मतदान किया। प्रतिनिधि सभा और सीनेट में डेमोक्रेट्स का बहुमत होने से ट्रंप की एकतरफा व्यापार और टैरिफ नीतियों पर अमेरिकी कांग्रेस की कड़ी निगरानी रहेगी।

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बाद दबाव में आकर जापान ने 550 अरब डॉलर और साउथ कोरिया ने 350 अरब डॉलर अमेरिका में निवेश करने का जो वादा किया था, अब उस पर फिर से विचार करने का समय मिल सकता है।

विश्लेषकों की मानें, तो अमेरिकी मिड टर्म चुनाव के नतीजों के भारत पर मिले जुले असर पड़ सकते हैं। 2025 में भारतीय सामान पर दंड के रूप में लगाया गया टैरिफ 50: से घटाकर 18: कर दिया गया था। डेमोक्रेट्स के नियंत्रण वाले कांग्रेस के कारण अब ट्रंप प्रशासन के लिए फिर से एकतरफा ट्रेड वॉर छेड़ना मुश्किल होगा। भारत की ओर से रूसी क्रूड ऑयल की खरीद पर ट्रंप प्रशासन की ओर से मिलने वाली कड़ी प्रतिबंधों की धमकियों में अस्थायी नरमी आ सकती है।



हालांकि, थिंक टैंक और आर्थिक विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप अपनी घटती राजनीतिक साख को बचाने के लिए भारत पर एकतरफा या त्वरित ट्रेड डील का दबाव बना सकते हैं।

पूर्व राजनयिक राजीव भाटिया के अनुसार, डेमोक्रेट्स की जीत का मतलब यह नहीं है कि ट्रंप प्रशासन भारत के प्रति नरम हो जाएगा। डेमोक्रेटिक पार्टी भी अमेरिकी बाजार पहुंच और बौद्धिक संपदा को लेकर सख्त रुख रखती है।

बीजिंग जनवरी में खत्म होने वाले व्यापार युद्ध विराम के दौरान ट्रंप की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, डेमोक्रेट्स ।ि और सेमीकंडक्टर तकनीक के निर्यात पर कड़े नियंत्रण का समर्थन करते हैं, जिससे चीन को भी ज्यादा छूट नहीं मिलेगी। साउथ कोरिया को अलास्का एलएनजी पाइपलाइन परियोजना और भारी निवेश प्रतिबद्धताओं पर फिर से समीक्षा करने और समय हासिल करने का मौका मिलेगा। अगर जापान ने निवेश की रफ्तार धीमी की, तो ट्रंप की ओर से फिर से अतिरिक्त टैरिफ फिर से लगाए जाने संभावना भी बनी रहेगी।

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेट्स की जीत से भारत के पास व्यापार वार्ता में अपने दीर्घकालिक हितों– कृषि, ऊर्जा सुरक्षा और टैरिफ की रक्षा करने और अमेरिका के साथ बातचीत में ठोस और पारस्परिक छूट मांगने का बेहतर अवसर है। हालांकि, भारत को वाशिंगटन में कार्यकारी शक्तियों के इस्तेमाल और बदलती नीतियों को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत है।

भाजपा ने निकाली लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा

संवाददाता–गोरखपुर ।



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा' के तहत हजारों समर्थकों के साथ डेढ़ किलोमीटर की पैदल यात्रा किया। पदयात्रा में हजारों समर्थक शामिल हुए। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल, राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी अभिजात मिश्रा, राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप वर्मा, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर तथा अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अनुप्रिया पटेल सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

उधर, पदयात्रा से पहले कांग्रेस के कई नेताओं और पदाधिकारियों के आरोप लगाया कि उन्हें उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनावी प्रक्रिया को लेकर भाजपा–कांग्रेस के दरमियान सियासी टकराव के बीच पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेताओं के इस आरोप से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। खुद को नजरबंद किए जाने का आरोप लगाने वाले नेताओं में पूर्व जिलाध्यक्ष और पीसीसी पर्यवेक्षक निर्मला पासवान, एआईसीसी सदस्य स्नेहलता गौतम, युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सूरज यादव, प्रदेश सचिव अंकित पाण्डेय, विश्पात भट्ट और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि यादव शामिल हैं।

तोड दिया घर की दीवार, पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के हथिरजा गांव में घर की दीवार तोड़कर ईंटें निकाल ले जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित नबीउल्लाह पुत्र मोहम्मद युनुस ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाई है।

शिकायत में पीड़ित ने कहा है कि गत 3 नवम्बर की रात करीब दो बजे गांव के ही वसीउल्लाह पुत्र वलीउल्लाह और उनकी पत्नी सहित अन्य लोगों ने कथित रूप से साजिश के तहत उनके घर की मजबूत दीवार को हथौड़ी से तोड़ दिया और उसमें लगी ईंटें निकालकर ले गए। इससे मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई।

पीड़ित के मुताबिक, उनका परिवार रोजी–रोटी के सिलसिले में मुंबई में रहता है। इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने आईजीआरएस के जरिए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

जमीनी स्तर पर प्रयास तेज करें रालोद कार्यकर्ता-जयन्त चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने बुधवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह सहित पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास तेज करने का संदेश दिया।

जयन्त चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में संगठन को मजबूत बनाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास और तेज किए जाएं। कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ क्षेत्र में सक्रिय रहें और पार्टी की नीतियों एवं विचारों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। चुनाव की तैयारियों में किसी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। संगठन की मजबूती के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

जयंत चौधरी ने प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह के साथ लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पर चर्चा की। उन्होंने संगठन मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियां आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी का भरोसा जताया।

पटेल चौक के पास बातचीत में केन्द्रीय जयंत चौधरी ने कहा कि वह गोरखपुर में आयोजित लोकतंत्र बचाओ अभियान में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्ती में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने का अवसर मिला है। कहा कि बस्ती में पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि रालोद के प्रदेश अध्यक्ष भी बस्ती से आते हैं।

इस दौरान राधेश्याम चौधरी, सुनील पाण्डेय, दीपक मिश्रा, अजय सिंह, विवेक चौधरी, बब्लू खान, अतुल सिंह, पप्पू यादव, सौरभ सिंह, राजेश सिंह, वकास भाई, इरफ्तखार अहमद, रहमान खान, जंगबहादुर चौधरी, रवि तिवारी और दीपक पांडे सहित अन्य पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी का बुधवार को पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बड़े वन के निकट प्रदेश महासचिव और रूधौली विधानसभा क्षेत्र से प्रबल दावेदार अरूणेन्द्र पटेल के नेतृत्व में फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। वे सड़क मार्ग से गोरखपुर जा रहे थे।

पार्टी नेताओं का उत्साहवर्धन करते हुये राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव सिर पर है। संगठन की मजबूती के लिये जमीनी धरातल पर प्रयास और तेज किया जाय। प्रदेश महासचिव और रूधौली विधानसभा क्षेत्र से प्रबल दावेदार अरूणेन्द्र पटेल ने रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी को भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल का चित्र भेंट किया। इस दौरान उनके समर्थक अरूणेन्द्र पटेल को रूधौली विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाने का आग्रह कर रहे थे।

स्वागत करने वालों में सुरेन्द्र चौधरी श्री राम मौर्य मुन्नीलाल मास्टर रामकृपाल चौहान अभय पटेल नागेंद्र कुमार प्रदीप चौधरी गोरखनाथ चौधरी इंद्र बहादुर यादव शिवराम चौधरी उमेश कनौजिया शाहिद , शोभित चौधरी, आकाश कुमार, अब्दुल करीम रियाजुद्दीन सहित सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

–प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह के साथ किया सांगठनिक तैयारियों पर चर्चा

–प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल को प्रत्याशी बनाने की उठी मांग

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के निधन पर रमेश चौहान ने दिया श्रद्धांजलि



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के निधन पर आम जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रमेश चौहान एवं राष्ट्रीय महासचिव धर्मेन्द्र सिंह चौहान भोपाल स्थित उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर मातमीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान देने और परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

विनय वर्मा बने समाजवादी पार्टी छात्रसभा प्रदेश सचिव



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की संस्तुति पर बस्ती जनपद के कुर्थिया निवासी विनय वर्मा को समाजवादी पार्टी छात्रसभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

विनय वर्मा के प्रदेश सचिव नामित होने पर डॉ. प्रदीप चौधरी, अजीत चौधरी, सात्विक पटेल, सुशांत पटेल, उदयभान, उदयपाल चौधरी, बालकेश, रामसजीवन, आशीष पटेल, जयप्रकाश चौधरी, जयराम चौधरी, दीवान चंद्र पटेल, अकबाल अहमद, शैयद, विजय पांडेय और रामकेश सहित सैकड़ों लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

दलित जन्मेजय की मौत को लेकर आक्रोशः भीम युवा वाहिनी ने डीएम को सौंपा ज्ञापनः फरार महिला आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–



बस्ती। कुधवार को भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद, समाजसेवी रवि प्रकाश के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लालगंज थाना क्षेत्र के दलित जन्मेजय के मौत मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग किया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 नवम्बर तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे पीड़ित परिवार के समर्थन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को बाध्य होंगे।

डीएम को सौंपे ज्ञापन में थाना लालगंज में दर्ज मुकदमा संख्या 0279/2026 में धाराओं में संशोधन करने, फरार महिला आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी कराने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। ज्ञापन के मुताबिक, ग्राम थाल्हापार निवासी राम बहाल के पुत्र जन्मेजय पर 26 अक्टूबर 2026 को गांव में कुछ लोगों द्वारा लाठी–डंडों और फावड़े से हमला किए जाने का आरोप है। हमले में गंभीर रूप से घायल जन्मेजय की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में थाना लालगंज में 27 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कराया गया था।

संगठन के पदाधिकारियों सोनू राव, अजय राव उर्फ प्रमोद का कहना है कि वर्तमान मुकदमे में लगी धाराओं में आवश्यक संशोधन किया जाए तथा 3 (1) (द) के स्थान पर धारा 3 (2) (वी) एससी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराएं भी जोड़ी जाएं। इसके साथ ही फरार महिला आरोपी की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए वर्तमान थाना प्रभारी को हटाकर किसी अन्य वरिष्ठ एवं निष्पक्ष अधिकारी से जांच कराने की मांग भी की गई है।

भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद और समाजसेवी रवि प्रकाश ने कहा कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब है। परिवार को न्याय दिलाने के साथ आर्थिक रूप से मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, एक करोड़ रुपये का आर्थिक मुआवजा तथा बस्ती शहर में एक एकड़ जमीन उपलब्ध कराई जाए, ताकि परिवार को भविष्य में आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।नेताओं ने स्पष्ट कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय और उचित मुआवजा दिलाने के लिए संगठन पूरी मजबूती से खड़ा है। यदि प्रशासन ने 15 नवंबर 2026 तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो संगठन के लोग समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान विपिन राव, सुनील, प्रमिला, राम बहाल, संतोष कुमार, राम मोजन, सर्वेश कुमार सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

–पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा, शहरी क्षेत्र में जमीन और सरकारी नौकरी देने की मांग

हरैया तहसील, पुलिस प्रशासन पर उत्पीड़न का आरोपः न्याय की मांग को लेकर भूख हड़ताल और धरने पर बैठे ग्रामीण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया तहसील और पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुये न्याय की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीण भूख हड़ताल और धरने पर बैठ गये। धरना दे रहे लोगों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। हरैया थाना क्षेत्र के सहसराव निवासी प्रेम प्रकाश वर्मा ने बताया कि धरना शुरू होने के बाद भी अभी तक कोई सक्षम अधिकारी उनसे मिलने नहीं पहुंचा है। प्रेम प्रकाश वर्मा ने आरोप लगाया कि हरैया तहसील एवं पुलिस प्रशासन के कुछ कर्मचारियों द्वारा उनके परिवार और सहयोगियों को कथित रूप से परेशान किया जा रहा है। उनका आरोप है कि उनके और उनके सहयोगियों के विरुद्ध फर्जी तरीके से कई मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। साथ ही गुंडा एक्ट की कार्रवाई और मुकदमों की धमकी देकर दबाव बनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में 16 मई एवं 17 अगस्त 2026 को उपजिलाधिकारी हरैया के माध्यम से जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर 3 नवंबर 2026 से भूख हड़ताल एवं अनशन शुरू किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मी कपिल देव सिंह जिन्होंने 25 हजार रूपया रिश्वत लिया के साथ ही अन्य संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई करने, कथित फर्जी मुकदमों को निरस्त कराने तथा पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार और सहयोगियों को लगातार परेशान किया जा रहा है तथा शिकायतों के बावजूद उचित कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रेम प्रकाश वर्मा ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी और उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक उनका धरना एवं भूख हड़ताल जारी रहेगी।

धरने में ग्राम प्रधान मीरा देवी, संदीप वर्मा, अजय वर्मा, काजल वर्मा, घनश्याम वर्मा, प्रियंका वर्मा, भागवत देई, गुड़िया वर्मा, लक्ष्मी प्रसाद वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भानपुर में पांच माह में ही उखड़ने लगीं सड़कें, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत भानपुर में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। नगर पंचायत क्षेत्र के ग्राम बेदौला और नौगड़वा में हाल ही में निर्मित सड़कें कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त होने लगी हैं। कहीं सड़क उखड़ रही है तो कहीं निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए भाजपा मण्डल कार्यसमिति सदस्य एवं नगर पंचायत भानपुर क्षेत्र के निवासी मनोज सिंह ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर दोनों सड़कों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

भाजपा नेता मनोज सिंह ने पत्र में कहा है कि ग्राम बेदौला में नगर पंचायत द्वारा निर्मित आरसीसी सड़क महज एक माह के भीतर जगह–जगह से उखड़ने और क्षतिग्रस्त होने लगी है। वहीं ग्राम नौगड़वा में बनी सड़क भी लगभग पांच माह के भीतर खराब होने की स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इतनी कम अवधि में सड़कों का खराब होना निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के साथ आरसीसी सड़क की मोटाई, बेस और निर्धारित तकनीकी मानकों का भी परीक्षण कराया जाए।

शिकायती पत्र में निर्माण कार्यों के स्वीकृत आगणन, तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति, टेंडर प्रक्रिया, कार्यादेश, अनुबंध, माप पुस्तिका और भुगतान से संबंधित अभिलेखों की जांच कराने की मांग भी की गई है। साथ ही संबंधित ठेकेदार, अवर अभियंता, सहायक अभियंता एवं निर्माण कार्यों की निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका और जवाबदेही तय करने की बात कही गई है।

मनोज सिंह ने कहा कि यदि जांच में घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग, मानकों की अनदेखी अथवा सरकारी धन के दुरुपयोग की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ कठोर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए। क्षतिग्रस्त सड़कों का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराकर उनकी जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए।



–भाजपा नेता मनोज सिंह ने डीएम को पत्र भेजकर किया उच्चस्तरीय जांचः जिम्मेदारों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

धनतेरस पर शिक्षकों का बीएसए कार्यालय पर धरना 6 को

–पदोन्नित आदेश लेकर ही जायेंगे शिक्षक –उदयशंकर शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल और जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी, सहायक शिक्षा निदेशक, बेसिक शिक्षा अधिकारी के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर कहा है कि यदि 15 सूत्रीय प्रमुख मांगों का शीघ्र निस्तारण न हुआ तो 6 नवम्बर से बीएसए कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा। कहा कि विवशता में धनतेरस के दिन धरना देना पड़ रहा है। शिक्षक पदोन्नित आदेश और प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन का आदेश जारी होने के बाद ही घर जायेंगे।

संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षकों की पदोन्नित, प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन भुगतान, अनियमित रूप से काटे गये जीआईएस की वापसी सहित अन्य मांगों को लेकर बीएसए, लेखाधिकारी समेत सम्बंधित अधिकारियों को अनेको पत्र, ज्ञापन दिया गया किन्तु स्थितियां ज्यों की त्यो बनी हुई हैं। इससे शिक्षकों में आक्रोश है। उच्चाधिकारी भी इस सम्बन्ध में अभी तक चुप्पी साधे हुये हैं। ऐसी स्थिति में मांगे न मानी गयी तो 6 नवम्बर से बीएसए कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि सचिव बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आदेश जारी कर कहा है कि 23 अक्टूबर तक वरिष्ठता सूची, पात्रता सूची और रिक्त पदों की सूची बीएसए सचिव परिषद कार्यालय को भेज दें और 7 नवम्बर तक पदोन्नित आदेश जारी कर दे।



इसके बावजूद बस्ती में बीएसए द्वारा अभी तक वरिष्ठता सूची का अनन्तिम प्रकाशन भी नहीं किया गया। इससे अध्यापकों की पदोन्नित बाधित हो जायेगी। इसे देखते हुये 6 नवम्बर से बीएसए कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है। जिससे 7 नवम्बर को शिक्षकों का पदोन्नित आदेश जारी कराया जा सके।

सम्बंधित उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति पूरी करने, ईजार्ज प्रधानाध्यापकों के वेतन का भुगतान करने, जीआईएस/जीआईएसएस से जुड़े लंबित भुगतानों का निस्तारण करने, आकस्मिक अवकाश और वेतन कटौती की समस्याएं दूर करने तथा निलंबित शिक्षकों के मामलों का जल्द निस्तारण, जनगणना ड्यूटी में आ रही परेशानियों को दूर करने आदि की मांग किया गया है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 नवम्बर 2026 गुरुवार

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

सम्पादकीय

आम आदमी और तंत्र

देश और प्रदेश में विकास को लेकर बड़े–बड़े दावे किए जा रहे हैं। कहीं नई सड़कें बनाने की बात हो रही है तो कहीं एक्सप्रेसवे, स्मार्ट सिटी, औद्योगिक निवेश और आधुनिक सुविधाओं की योजनाएं गिनाई जा रही हैं। विकास की ये तस्वीरें निश्चित रूप से उम्मीद जगाती हैं, लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल भी खड़ा होता है कि क्या विकास का लाभ वास्तव में आम आदमी तक पहुंच रहा है?

किसी भी शहर या जिले की तरक्की का आकलन केवल बड़ी परियोजनाओं और सरकारी घोषणाओं से नहीं किया जा सकता। असली विकास तो तब दिखाई देता है, जब आम नागरिक को अपने रोजमर्रा के कामों के लिए परेशान न होना पड़े। सड़क पर निकलने के लिए घंटों जाम में न फंसना पड़े, सरकारी दफ्तरों में अपना काम कराने के लिए बार–बार चक्कर न लगाने पड़ें, अस्पताल में इलाज के लिए भटकना न पड़े और बिजली–पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए शिकायत न करनी पड़े।

बस्ती जैसे तेजी से बढ़ते जिलों में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। शहर की आबादी और वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन क्या उस अनुपात में यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सड़क और अन्य नागरिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है? बाजारों में अतिक्रमण, सड़कों पर अव्यवस्थित वाहन और जगह–जगह जाम की स्थिति किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रबंधन की परीक्षा है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि कई बार व्यवस्था में सुधार की पहल किसी घटना या शिकायत के बाद ही दिखाई देती है। कुछ दिनों तक अभियान चलता है, अधिकारी निरीक्षण करते हैं और फिर स्थिति धीरे–धीरे पहले जैसी हो जाती है। ऐसी कार्यशैली से स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नियमित निगरानी, जिम्मेदारी तय करने और योजनाओं को जमीन पर उतारने की जरूरत है।

लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल चुनाव के समय जनता के बीच पहुंचने तक सीमित नहीं है। उन्हें अपने क्षेत्र की समस्याओं को लगातार उठाना चाहिए। इसी तरह प्रशासनिक अधिकारियों का दायित्व भी केवल बैठकों और समीक्षा रिपोर्टों तक सीमित नहीं होना चाहिए। जनता को परिणाम चाहिए, केवल आश्वासन नहीं।

नागरिकों की भी अपनी जिम्मेदारी है। नियमों का पालन करना, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना, अतिक्रमण से बचना और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। लेकिन नागरिक जिम्मेदारी की बात करके सरकारी विभागों की जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की प्राथमिकताओं पर नए सिरे से विचार किया जाए। बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटी लेकिन जरूरी समस्याओं को भी उतनी ही गंभीरता से लिया जाए। क्योंकि किसी जिले की पहचान केवल उसके भवनों, सड़कों और योजनाओं से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता से बनती है।

सरकार और प्रशासन को यह समझना होगा कि जनता विकास के विज्ञापन नहीं, विकास का अनुभव चाहती है। जिस दिन आम आदमी बिना परेशानी के अपने शहर में सफर कर सकेगा, सरकारी सेवाएं समय पर मिलेंगी और उसकी शिकायत पर वास्तविक कार्रवाई होगी, उसी दिन विकास के दावों को वास्तविक सफलता माना जाएगा।

सत्ता और जन सरोकार

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यहां सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता जिसे आज सिर आंखों पर बैठाती है, कल उसी से जवाब भी मांग सकती है। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव ने एक बार फिर इसी लोकतांत्रिक सच्चाई को दुनिया के सामने रखा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरी रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने संसद के दोनों सदनों में अपना प्रभाव बढ़ाकर सत्ता पक्ष के सामने नई राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है।

यह परिणाम केवल अमेरिका की दो राजनीतिक पार्टियों के बीच जीत–हार का मामला नहीं है। इसे उस जनता के मूड के रूप में भी देखा जाना चाहिए, जो सरकार के कामकाज से संतुष्ट नहीं होने पर अपना फैसला बदलने में देर नहीं करती। ट्रंप ने अपने राजनीतिक प्रभाव और लोकप्रियता के सहारे चुनाव को काफी हद तक अपनी नीतियों से जोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन मतदाताओं ने महंगाई, जीवनयापन की बढ़ती लागत, विदेश नीति और सरकार के कामकाज जैसे मुद्दों को अधिक महत्व दिया।

अमेरिका की राजनीति में यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रपति के पास व्यापक अधिकार होने के बावजूद संसद की भूमिका बेहद अहम होती है। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष की मजबूत स्थिति राष्ट्रपति के फैसलों पर निगरानी बढ़ा सकती है। अब ट्रंप प्रशासन के लिए अपनी नीतियों को आगे बढ़ाना पहले जितना आसान नहीं होगा। विपक्ष को सवाल पूछने, जांच कराने और सरकारी फैसलों को चुनौती देने का अधिक अवसर मिलेगा।इस चुनाव से दुनिया के दूसरे लोकतांत्रिक देशों को भी एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। चुनाव जीतना जनता का विश्वास हासिल करने की शुरुआत है, उसका स्थायी प्रमाणपत्र नहीं। सरकार को हर दिन अपने काम से उस विश्वास को बनाए रखना पड़ता है। केवल भाषण, प्रचार और राजनीतिक विरोधियों पर आरोप लगाकर जनता की अपेक्षाओं को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

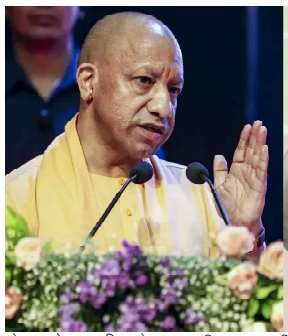
भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए भी इस घटनाक्रम में विचार करने योग्य कई पहलू हैं। यहां भी चुनाव के दौरान बड़े मुद्दे, राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप और नेतृत्व की लोकप्रियता चर्चा में रहती है। लेकिन अंततः आम मतदाता अपने जीवन से जुड़े विषयों को भी महत्व देता है। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी लोकतंत्र में जनता की प्राथमिकता बने रहते हैं।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि अधिक जवाबदेह बनाता है। संसद में सरकार के फैसलों पर चर्चा हो, सवाल पूछे जाएं और नीतियों की समीक्षा हो, तो इससे व्यवस्था को मजबूती मिलती है। हालांकि विपक्ष की जिम्मेदारी भी केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता के सामने बेहतर विकल्प और ठोस नीतियां रखना है। अमेरिकी चुनाव का वास्तविक संदेश किसी एक नेता की हार या किसी दूसरी पार्टी की जीत तक सीमित नहीं है। इसका संदेश यह है कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में रहता है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति को भी यह समझना पड़ता है कि जनता का समर्थन कभी भी बिना शर्त नहीं होता। अमेरिका के इस राजनीतिक घटनाक्रम को केवल वहां की घरेलू राजनीति तक सीमित करके देखना उचित नहीं होगा। दुनिया की सबसे प्रभावशाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका में राजनीतिक अस्थिरता का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश, कूटनीति और दूसरे देशों के साथ संबंधों पर भी पड़ सकता है। भारत के लिए भी अमेरिकी नीतियों में आने वाला बदलाव महत्वपूर्ण है।

2027 की सियासी जंग में अखिलेश और योगी के सामने अलग–अलग चुनौतियां



–अजय कुमार–





अखिलेश यादव की राजनीति में इन दिनों एक अजीब विरोधाभास दिखाई दे रहा है। अयोध्या पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनाव लड़ने की चुनौती देने वाले अखिलेश अब खुद 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर रहे हैं। तीन नवंबर को वाराणसी में उनका ऐलान था कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे, सीधे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने आएंगे। यानी योगी चुनाव लड़ें तो उनकी लोकप्रियता की परीक्षा हो, लेकिन अखिलेश के लिए चुनाव लड़ना जरूरी नहीं! यही वह सवाल है जिसका जवाब सपा अध्यक्ष को देना होगा। राजनीति में चुनौती देना आसान है, अपनी चुनौती की कसौटी पर खुद उतरना मुश्किल।अक्बूबर में अयोध्या से अखिलेश ने योगी को घेरा था। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री को अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहिए, ताकि विकास और लोकप्रियता के दावों की असलियत सामने आ जाए। योगी ने दस अक्टूबर को बलरामपुर से जवाब दिया कि अखिलेश भी अयोध्या से मैदान में आएं, वह भी वहीं से लड़ेंगे। मुकाबला प्यादों के बीच नहीं, आमने–सामने होना चाहिए। इसके बाद अखिलेश ने कहा कि उन्होंने चुनौती नहीं, सलाह दी थी। अब वाराणसी में चुनाव न लड़ने का ऐलान करके उन्होंने भाजपा को हमला करने का खुला मौका दे दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उन्हें 'रणछोड़' कहा। ओमप्रकाश राजभर ने भी सवाल दागा कि जो नेता चुनाव से भागे, वह नेता कैसा? यह भाजपा का राजनीतिक हमला है, लेकिन इसकी जमीन अखिलेश के अपने बयानों ने तैयार की है।

अखिलेश का तर्क है कि मुख्यमंत्री बनने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ना जरूरी नहीं। 2012 में वह सांसद रहते मुख्यमंत्री बने थे। यह तथ्य सही है, मगर आधा सच बताकर पूरी राजनीति नहीं की जा सकती। उस समय सपा ने 224 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। अखिलेश के मुख्यमंत्री बनने पर किसी को संदेह नहीं था कि सरकार किसके समर्थन से चलेगी। आज तस्वीर अलग है। 2022 में सपा 111 सीटों पर अटक गई थी। बहुमत के लिए 202 सीटें चाहिए। यानी अखिलेश को पहले 91 सीटों की दूरी मिटानी होगी, उसके बाद मुख्यमंत्री की शपथ का सपना पूरा होगा।संविधान का अनुच्छेद 164(4) भी उन्हें कोई स्थायी छूट नहीं देता। मुख्यमंत्री बनने के बाद छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना अनिवार्य है। ऐसा नहीं हुआ तो पद छोड़ना पड़ेगा। इसलिए लोकसभा सांसद बने रहकर पांच साल मुख्यमंत्री बने रहने का कोई रास्ता नहीं है। 2012 में अखिलेश ने विधान परिषद का रास्ता अपनाया था। 2027 में भी ऐसा कर सकते हैं, लेकिन उससे पहले जनता को सपा के पक्ष में बहुमत देना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी का ऐलान करना आसान है, 202 विधायक जुटाना असली राजनीति है।आंकड़े अखिलेश के लिए चेतावनी भी हैं और उम्मीद भी। 2017 में भाजपा ने 312 सीटें जीती थीं और सपा 47 पर सिमट गई थी। 2022 में भाजपा 255 सीटों के साथ लौटी, सपा 111 तक पहुंची। भाजपा को 41.29 प्रतिशत और सपा को 32. 06 प्रतिशत वोट मिले। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने 37 सीटें जीतकर भाजपा को 33 पर रोक दिया। सपा का वोट शेयर 33.60 प्रतिशत रहा, जबकि भाजपा का 41. 36 प्रतिशत था। यह सपा की वापसी है, लेकिन विधानसभा की जीत का प्रमाणपत्र नहीं। लोकसभा में गठबंधन और उम्मीदवारों का समीकरण अलग होता हैय विधानसभा में हर सीट पर जातीय समीकरण, स्थानीय चेहरा और सरकार के काम का हिसाब सामने आता है।

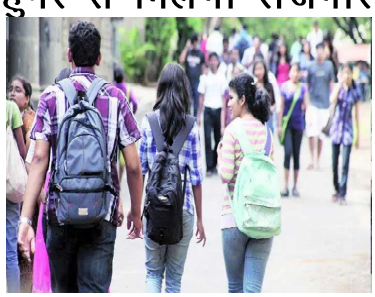
अखिलेश को यह भी बताना होगा कि भाजपा को सत्ता से हटाकर वह उत्तर प्रदेश को देंगे क्या? केवल पीडीए का नारा, भाजपा विरोध और योगी पर हमले से सरकार नहीं बनती। रोजगार पर उनका अपना रोडमैप क्या है? भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता कैसे आएगी? किसानों को लागत का लाभ, गन्ने का समय पर भुगतान और नौजवानों को स्थायी नौकरी कैसे मिलेगी? सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की हालत सुधारने के लिए कितना बजट देंगे? सपा को इन सवालों पर स्पष्ट जवाब देना होगा। 2022 में जनता ने उसे विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत बनाया, लेकिन सत्ता नहीं सौंपी। 2027 में उसे नाराजगी को वोट और वोट को सीट में बदलना होगा।लेकिन भाजपा भी विकास का चमकदार विज्ञापन दिखाकर हर सवाल से बच नहीं सकती। योगी सरकार एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश, धार्मिक पर्यटन और बेहतर कानून–व्यवस्था को अपनी उपलब्धि बताती है। राज्य की अर्थव्यवस्था और निवेश प्रस्तावों में वृद्धि के दावे किए जाते हैं। मगर निवेश प्रस्ताव और जमीन पर चलती फैक्ट्री एक चीज नहीं हैं। रोजगार का दावा और नौजवान के हाथ में स्थायी नौकरी भी एक बात नहीं। सरकार को बताना होगा कि कितने युवाओं को नियमित रोजगार मिला, कितनी परियोजनाएं वास्तव में शुरू हुईं और किसानों की आमदनी में कितना सुधार आया। महंगाई, बेरोजगारी, भर्ती विवाद, स्वास्थ्य सेवाएं और ग्रामीण सड़कों की हालत भी चुनावी सवाल बनेंगे। सत्ता में दस साल के करीब पहुंचती भाजपा को हर सवाल का जवाब देना होगा।वाराणसी में अखिलेश ने भाजपा के टिकट काटने पर तंज कसा। पहले सौ विधायकों के टिकट कटने की चर्चा थी, अब दो सौ तक टिकट कटने की बात कही। उन्होंने मेट्रो का वादा किया और दलमंडी के व्यापारियों तथा मणिकर्णिका घाट के मुद्दों को उठाया। यह भाजपा के मजबूत गढ़ में उसकी विकास राजनीति को चुनौती देने की कोशिश है। लेकिन सपा को भी बताना होगा कि मेट्रो के लिए पैसा कहां से आएगा, परियोजना कब पूरी होगी और स्थानीय व्यापारियों की समस्या का समाधान कैसे होगा। केवल वादा करके भाजपा के अधूरे दावों का जवाब नहीं दिया जा सकता। जनता दोनों का हिसाब मांगेगी।

अब अखिलेश के सामने कई रास्ते हैं। वह चुनाव न लड़ने के फैसले पर कायम रहकर पूरे प्रदेश में प्रचार कर सकते हैं। यह तभी सफल होगा जब उम्मीदवार मजबूत हों और संगठन बूथ पर खड़ा हो। दूसरा रास्ता है कि चुनाव से पहले अपना फैसला बदलें और किसी सीट से मैदान में उतरें। इससे भाजपा के 'रणछोड़' हमले को जवाब मिलेगा, लेकिन उनके पहले ऐलान पर सवाल भी उठेंगे।

डिग्री नहीं, हुनर से मिलेगा रोजगार



–निर्मल रानी –



गत 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इण्डिया गठबंधन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक श्वोट बचाओ, देश बचाओश महारैली में विपक्षी दलों की भारी एकजुटता देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के विरोध बुलाई गई इस रैली में देश के कई प्रमुख दलों के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया। इस रैली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रमुख नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, डी.के. शिवकुमार और अभिषेक मनु सिंघवी भी मंच पर मौजूद रहे। जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस रैली में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस की तरफ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्ष की इस महारैली में विशेष रूप से शामिल हुईं। तथा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और युवा नेता तेजस्वी यादव ने मंच से रैली को संबोधित किया। इसी तरह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले नेशनल कॉन्फ्रेंस से जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला,आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व अन्य कई विपक्षी दलों के अनेक वरिष्ठ नेता इस विशाल रैली को संबोधित करते या सम्मिलत होते दिखाई दिए। इस रैली में श्कॉकरोच जनता पार्टीश की भी बाहरी तौर पर एक बड़े रैली समर्थक संगठन की सक्रिय भूमिका नजर आई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रैली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा करते हुए इस रैली को अपना पूर्ण समर्थन दिया था। सीजेपी का मुख्य एजेंडा भी देश में चुनावी शुचिता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना रहा है। इस महारैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख छात्र नेता नेहा बोरा और उनके संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आक्रामक रही। इस रैली के जरिए नेहा बोरा मुख्यधारा की राजनीति के बड़े विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक बड़े युवा चेहरे के रूप में उभरी हैं। नेहा बोहरा ने तो अपने संक्षिप्त परन्तु तीखा भाषण देते हुये सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निष्पक्ष होने के बजाय सत्ता पक्ष का श्इलेक्शन मैनेजरश करार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोकतंत्र से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर न केवल महाभियोग चलना चाहिए, बल्कि उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए।

परन्तु सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन का यह विशाल शक्ति प्रदर्शन सरकार पर इतना दबाव डाल सकेगा कि सरकार ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटा दे ? निश्चित रूप से इण्डिया गठबंधन के पास पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का ताजातरीन उदाहरण है जिन्हें गत 25 जुलाई 2026 को भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के चलते त्यागपत्र देना पड़ा था। उस समय अभूतपूर्व जन–आक्रोश और देशव्यापी दबाव को देखते हुए ही धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। यह नरेंद्र मोदी सरकार के इतिहास में जनता के सीधे दबाव में किसी बड़े कैबिनेट मंत्री के इस्तीफे का एक विरल उदाहरण माना जाता है। निःसंदेह धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के बाद गत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी इण्डिया गठबंधन की श वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली भी भारतीय राजनीति के लिहाज से एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस रैली के जरिए विपक्ष ने ईवीएम के साथ–साथ सीध ो मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर और लगभग 13.2 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए जाने के मुद्दे को देश के राजनीतिक केंद्र में ला दिया है। इससे भविष्य के चुनावों विशेषकर 2027 के उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनावी शुचिता पर बड़ी बहस छिड़ गयी है। इस रैली से ठीक पहले 31 अक्टूबर को विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध एक प्रतीकात्मक श्जनता द्वारा महाभियोगश प्रस्ताव भी पारित किया। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था के बजाय सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है। तो क्या इतने सुबूतों व इतने दबाव के बाद ज्ञानेश कुमार जल्द हटाए जा सकते हैं? वास्तव में सरकार व ज्ञानेश कुमार पर अभूतपूर्व दबाव होने के बावजूद संवैधानिक प्रावधानों और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के आधार पर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना बेहद जटिल नजर आता है। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज के समान ही बेहद कठिन है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो–तिहाई विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पास होना जरूरी है। वर्तमान में संसद के समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास अकेले इस तरह का बहुमत भी नहीं है। हाँ अगर न्यायालय इस प्रक्रिया में कोई गंभीर खामी पाता है, तो ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने पर नैतिक संकट खड़ा हो सकता है। परन्तु सुप्रीम कोर्ट 17 नवंबर 2026 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। इस बीच श्फ्रेश्क्ष गठबंधन ने साफ किया है कि इस रैली की गूंज संसद में दिखाई देगी और वे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ औपचारिक महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे।

केंद्र सरकार,भारतीय जनता पार्टी और खुद चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी तरह से वैध और पारदर्शी बताया है। जबकि विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग के अंदर ही अन्य दो चुनाव

सात राज्यों की चुनावी जंग



स्वदेश कुमार



देश की राजनीति में 2029 का लोकसभा चुनाव दूर है, लेकिन उसकी पटकथा 2027 में लिखी जाएगी। उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, गुजरात और हिमाचल प्रदेश की 940 विधानसभा सीटें तथा उनसे जुड़ी 132 लोकसभा सीटें सत्ता की जीत और विपक्ष की विश्वसनीयता परखेंगी। यह केवल सात मुख्यमंत्रियों का चुनाव नहीं, नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय पकड़, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व, अखिलेश यादव के पीडीए और कांग्रेस की प्रासंगिकता की परीक्षा भी है। इन राज्यों की 940 सीटों में भाजपा के पास 557 विधायक हैं। सहयोगियों के 47 और समर्थन दे रहे 12 निर्दलीयों को जोड़ें तो एनडीए की संख्या 616 है। कांग्रेस के 98 और आम आदमी पार्टी के 101 विधायक हैं, जिनमें अधिकांश पंजाब से हैं। पांच राज्यों में भाजपा, हिमाचल में कांग्रेस और पंजाब में आप की सरकार है। 2024 में भाजपा लोकसभा में 240 सीटों पर सिमटी और केंद्र में सहयोगियों पर निर्भर हुई।

सबसे बड़ा रण उत्तर प्रदेश में होगा। 403 सीटों वाले राज्य में 2022 में भाजपा ने 255 और सपा ने 111 सीटें जीती थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर बदलीरू सपा 37 सीटों पर पहुंची, भाजपा 33 पर रही और कांग्रेस ने छह सीटें जोड़ीं। यह भाजपा के लिए चेतावनी थी कि मंदिर, राष्ट्रवाद और संगठन के बावजूद स्थानीय असंतोष वोट में बदल सकता है। बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाएं, महंगाई, किसान और सामाजिक प्रतिनिधित्व के सवाल चुनावी बहस में रहेंगे। योगी सरकार कानून–व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे को उपलब्धि बताएगीय विपक्ष पूछेगा कि इनका लाभ किसे मिला। योगी आदित्यनाथ के सामने सत्ता बचाने के साथ लगातार तीसरी बार भाजपा को जीत दिलाने की चुनौती है। हार या कमजोर बहुमत भाजपा के भीतर नेतृत्व और सामाजिक समीकरणों पर सवाल खड़े करेगा। हिंदुत्व और सख्त प्रशासन का संदेश कितना असरदार है, इसका फैसला रोजगार, महंगाई और स्थानीय नाराजगी के बीच होगा। भाजपा को उम्मीदवार चयन, सहयोगियों का सम्मान और बूथ स्तर की शिकायतें संभालनी होंगी।

अखिलेश यादव के लिए 2027, 2024 की बढ़त को स्थायी जनाधार में बदलने की परीक्षा है। पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक को सपा को नई सामाजिक भाषा दी और लोकसभा में भाजपा से आगे पहुंचाया। पिछड़ों के भीतर हिस्सेदारी, दलितों का भरोसा, मुस्लिम प्रतिनिधित्व, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और बूथ प्रबंधन निर्णायक होंगे। अखिलेश को साबित करना होगा कि पीडीए केवल चुनावी गणित नहीं, शासन का ठोस कार्यक्रम है। कांग्रेस के सामने उत्तर प्रदेश में कमजोर संगठन और बड़ी महत्वाकांक्षा का विरोधाभास है। दो विधायकों वाली पार्टी बहुत अधिक सीटें मांगेगी तो सपा से टकराव बढ़ेगाय कम सीटों पर समझौता करेगी तो कार्यकर्ताओं को जवाब देना होगा। 2024 का गठबंधन विधानसभा में उसी तरह वोट हस्तांतरित करा पाएगा, यह तय नहीं। कांग्रेस को सीटों की सौदेबाजी से आगे बढ़कर स्थानीय नेतृत्व, बूथ संगठन और स्पष्ट मुद्दों पर काम करना होगा।

182 सीटों में 2022 में पार्टी ने रिकॉर्ड 156, कांग्रेस ने 17 और आप ने पांच सीटें जीती थीं। रोजगार, किसान, आदिवासी क्षेत्र और स्थानीय नेतृत्व के सवाल विपक्ष के अवसर बन सकते हैं। कांग्रेस को विश्वसनीय चेहरा और जमीनी मौजूदगी चाहिएय आप को पिछला प्रदर्शन दोहराने से आगे बढ़ना होगा। पंजाब में आप के सामने सत्ता बचाने की चुनौती है। 2022 में उसने 117 में से 92 सीटें जीती थीं। अब कानून–व्यवस्था, नशा, कृषि, कर्ज, रोजगार और राज्य की वित्तीय स्थिति पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सात और आप ने तीन सीटें जीतीं। अकाली दल की वापसी और भाजपा का विस्तार भी समीकरण बदल सकते हैं। आप के लिए सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का हमला नहीं, अपने विशाल जनादेश से पैदा हुई अपेक्षाओं का बोझ है।

उत्तराखंड में भाजपा ने 2022 में 70 में से 47 सीटें जीतकर सत्ता परिवर्तन की परंपरा तोड़ी थी। अब पलायन, रोजगार, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण और समान नागरिक संहिता पर बहस होगी। गोवा में 40 सीटों की लड़ाई में दलबदल और राजनीतिक विश्वसनीयता बड़े सवाल हैं। 2022 में भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनीय बाद में कांग्रेस के आठ विधायक उसके साथ चले गए। मणिपुर को सामान्य सत्ता संघर्ष की तरह पढ़ना संवेदनहीनता होगी। मई 2023 में शुरू हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत और हजारों के विस्थापन ने राज्य को गहरी चोट पहुंचाई। मुख्यमंत्री बदलने और राष्ट्रपति शासन के बाद नई सरकार बनने से संकट खत्म नहीं हुआ। कुकी–जो समुदाय की अलग प्रशासन की मांग, घाटी–पहाड़ का अविश्वास, सुरक्षा और पुनर्वास चुनावी घोषणापत्र से बड़े सवाल हैं। भाजपा को सीटों से आगे शांति और भरोसे की राह दिखानी होगी।

हिमाचल में कांग्रेस सरकार के सामने सत्ता बचाने के साथ आर्थिक दबाव और चुनावी वादे पूरे करने की चुनौती होगी। इसलिए सातों राज्यों के नतीजों को एक ही राष्ट्रीय लहर का प्रमाण मानना भूल होगी। जुलाई 2027 के राष्ट्रपति चुनाव में नए विधायक मतदान करेंगे। उत्तर प्रदेश के एक विधायक के मत का मूल्य 208 है, जो देश में सबसे अधिक है। इसलिए यूपी का जनादेश केवल लखनऊ की सरकार नहीं, राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल का संतुलन भी प्रभावित करेगा। हालांकि इन चुनावों से केंद्र सरकार तत्काल नहीं गिरेगीय असर राजनीतिक मनोबल, गठबंधन की सौदेबाजी और 2029 की जमीन पर होगा।

हाल के विधान परिषद चुनावों ने दोनों खेमों को चेताया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा वाराणसी की शिक्षक और स्नातक, दोनों सीटें सपा से हार गई, जबकि वहां नौ मंत्रियों और सात विधायकों ने प्रचार किया था। चार राज्यों की 28 सीटों में भाजपा ने 13 और एनडीए ने 16 जीतींय कांग्रेस को नागपुर में एक जीत मिली और कर्नाटक की चारों सीटें गंवानी पड़ीं। इससे न भाजपा विरोधी लहर साबित होती है, न विपक्ष की वापसी।

सत्ता बदलनी है तो चुनाव में जाओ, रिजीम चेंज की मांग पर जनता के पास भड़के बृजभूषण



संवाददाता–गोण्डा। रिजीम चेंज को लेकर सियासी बहस के बीच पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिह की प्रतिक्रिया आई है। यूपी के कैसरगंज से बीजेपी पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रिजीम चेंज की मांग को लेकर विपक्ष को जमकर सुनाया है। भड़के बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि सत्ता बदलनी है तो चुनाव में जनता के पास जाओ। बृजभूषण ने कहा कि 2027 का चुनाव आ रहा है। 2029 का चुनाव आ रहा है बदल दो। जनता के पास जाओ तैयारी करो। बृजभूषण ने भारत का रिजीम अमेरिका की तर्ज नहीं होगा। बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल की तर्ज पर नहीं होगा। बृजभूषण ने कहा कि लोकतंत्र से चेंज होगा। चुनाव से होगा। वहीं ज्ञानेश कुमार के हटाने के सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि क्यों हटाया जाए। ज्ञानेश कुमार किसी की दया पर थोड़ी आए हैं।

इससे पहले बागपत में बीजेपी नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला था। क्षत्रिय स्वाभिमान महासम्मेलन को संबोधित करते हुए बृजभूषण शरण ने राहुल गांधी को श्नाचने वाला बंदरश बताया। बृजभूषण ने कहा कि विपक्ष में एक युवा नेता हैं, जिनकी उम्र 55 साल हो गई है, लेकिन अभी तक उनमें समझदारी नहीं आई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह नेता कभी एक डाल पर जाता है तो कभी दूसरी डाल पर। ऐसे बंदर बाबा को देखकर दुख होता है। हालांकि, बृजभूषण ने कांग्रेस के प्रति सहानुभूति भी जताई। उन्होंने कहा कि उनके बाबा भी कांग्रेस के विधायक रहे थे, इसलिए उनकी भी कांग्रेस से सहानुभूति है। यह बयान दिल्ली में विपक्ष की महारैली के बीच आया है।

इससे पहले ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी भी रिजीम चेंज को लेकर विरोध जा चुके हैं। मौलाना रजवी बरेलवी ने कहा कि दिल्ली के जंतर–मंतर में विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों की ओर से पिछले 15 दिनों से चल रहे धरना–प्रदर्शन करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश नहीं बनने दिया जाएगा और देश में तख्तापलट की साजिशों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। शुक्रवार को जुमा नमाज के बाद मौलाना ने कहा कि धरना–प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है,लेकिन इसकी आड़ में हिंसा करने या देश की व्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिशों की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा है कि लंबे समय से चल रहे प्रदर्शन के कारण दिल्ली आने–जाने वाले लोगों और कारोबार को नुकसान पहुंच रहा है।

दीपावली–छठ से पहले अधिकारियों ने नवोदय विद्यालय का निरीक्षण किया



संवाददाता–महराजगंज। आगामी दीपावली एवं छठ पर्व को देखते हुए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सदर तहसील के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शिवम कुमार (आईएएस) तथा क्षेत्राधिकारी सदर अंकुर गौतम ने महराजगंज स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय का संयुक्त रूप स

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, साफ–सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विद्यालय की मौजूदा व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शिवम कुमार ने संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए कहा कि आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं। विद्यालय परिसर में सुरक्षा और सतर्कता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। वहीं, क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को देने की बात कही।

अधिकारियों ने विद्यालय प्रशासन को छात्र–छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। दीपावली पर परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए बेंगलुरु से घर आए 22 वर्षीय प्रहलाद गुप्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई। बुधवार भोर में राष्ट्रीय राजमार्ग–28 पर तमकुहीराज तहसील गेट के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, पटहेरवा थाना क्षेत्र के बगही कुटी गांव निवासी प्रहलाद गुप्ता पुत्र मुन्ना गुप्ता बेंगलुरु में रहकर टाइल्स लगाने और राजमिस्त्री का काम करते थे। वह कुछ दिन पहले ही दीपावली पर परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए घर आए थे। बुधवार भोर में तमकुहीराज तहसील गेट के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही तमकुहीराज थाने के उपनिरीक्षक रणवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि प्रहलाद भोर में घर से घटनास्थल तक कैसे पहुंचे और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। थानाध्यक्ष चंद्रमान सिंह ने बताया कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी, ताकि हादसे के कारणों और टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान हो सके।

शिव मंदिर के सरोवर में उतराता मिला शख्स का शव

संवाददाता–महराजगंज। मिटौली थाना क्षेत्र के शिकारपुर चौकी अंतर्गत लक्ष्मीपुर शिवाला गांव में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव स्थित शिवमंदिर के सरोवर में एक शख्स का उतराता हुआ शव दिखा। शव मिलने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गोरखपुर जनपद के गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल सखनी आबादी जंगल डुमरी नंबर 2 गांव निवासी सुभाष गुप्ता (40) पुत्र छोटेलाल के रूप में हुई। बताया जाता है कि सुभाष दिन भर लक्ष्मीपुर शिवाला और आसपास के गांवों में घूमकर अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए मजदूरी करता था। शाम होने पर वह वापस लक्ष्मीपुर शिवाला गांव लौट आता और शिवमंदिर परिसर स्थित यज्ञ मंडप में ही रात गुजारता था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि संभवतरू वह पैर फिसलने से सरोवर में गिर गया होगा, जिससे उसकी जान चली गई।



गांव की सुशीला गिरी मंदिर परिसर में सरोवर के किनारे बने हनुमान मंदिर में दर्शन करने पहुंचीं। इसी दौरान उनकी नजर सरोवर में उतराती किसी वस्तु पर पड़ी। पहले उन्होंने उसे पुतला समझा, लेकिन करीब जाकर देखने पर वह व्यक्ति का शव निकला। सरोवर की सीढ़ियों पर सफेद रंग की टी–शर्ट और भूरे रंग की चप्पल भी दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने शोर मचाकर ग्रामीणों को जानकारी दी। सूचना मिलते ही प्रधान–प्रशासक कृष्णमोहन पटेल ने मिटौली पुलिस और मृतक के परिजनों को सूचना दी। मौके पर प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार राय, शिकारपुर चौकी प्रभारी–उपनिरीक्षक अभिजीत राय और सत्यप्रकाश शर्मा पुलिस टीम के साथ पहुंचे। पुलिस ने शव को सरोवर से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के बड़े भाई राजू गुप्ता, भाभी पुष्पा देवी और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। बड़े भाई के दामाद जयराम गुप्ता भी उनके साथ मौजूद रहे। सुभाष का शव देखकर परिजनों में चीख–पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।

धान खरीद में धीमी प्रगति पर कमिश्नर ने लगाई फटकार



संवाददाता–गोण्डा। बीते तीन दिनों के भीतर बुधवार शाम 4:30 बजे तक महज 19 मीट्रिक टन धान की खरीद होने पर मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने कड़ा रुख अपनाया। कमिश्नर ने अधिकारियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को धान बेचने के लिए जागरूक किया जाए, ताकि खरीद में तेजी लाई जा सके। उन्होंने गोंडा के साथ बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच के अधिकारियों को भी फटकार लगाई और चारों जिलों में धान खरीद बढ़ाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने धान की गुणवत्ता, खरीद प्रक्रिया और संबंधित अभिलेखों की जांच की। उन्होंने अब तक हुई कुल खरीद की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप निर्धारित मानकों के तहत पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता से धान खरीदा जाए। उन्होंने कहा कि क्रय केंद्रों पर किसानों के बैठने और पेयजल सहित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें, ताकि उन्हें उपज बेचने में परेशानी न हो।

किसानों को उनकी उपज का भुगतान तय समय सीमा के भीतर किया जाए और प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। इसके साथ ही खरीद से जुड़े अभिलेख नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिए।

मौके पर मौजूद संभागीय खाद्य अधिकारी को मंडलायुक्त ने देवीपाटन मंडल के चारों जिलों गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती में धान खरीद की व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा। सभी क्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण और निगरानी करने के निर्देश भी दिए।

मंडलायुक्त ने चेतावनी दी कि धान खरीद में लापरवाही, अनियमितता या किसानों के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को जिम्मेदारी से काम करने और किसानों को समय पर उपज का उचित मूल्य दिलाने के निर्देश दिए।

धीरेंद्र शास्त्री ने टीआरपी के लिए दिया श्रीराम–कृष्ण पर बयान –महंत राजकुमार दास

संवाददाता–गोण्डा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के सदस्य महंत राजकुमार दास ने बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री के भगवान राम और कृष्ण को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। बुधवार शाम करीब 6 बजे वह जिला मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम से लौटते समय आवास विकास के पास मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि कथावाचकों को भगवान राम और कृष्ण के बारे में बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए। केवल टीआरपी बढ़ाने के लिए अनावश्यक बयान नहीं देना चाहिए। महंत राजकुमार दास ने कहा कि हमारे यहां मान्यता है कि राम और कृष्ण जगत में भगवान के दो प्रमुख रूप हैं। भगवान कृष्ण ने जो कहा, उसे करना चाहिए और भगवान राम ने जो किया, उसे आदर्श मानकर जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकुर जी हमारे टेढ़े जरूर हैं, लेकिन उन्होंने जो किया है, वह कोई और नहीं कर सकता। भगवान राम और कृष्ण को देश–दुनिया में मानने वाले करोड़ों भक्त हैं। सनातन धर्म का विस्तार बहुत व्यापक है। ऐसे में भगवान के



बारे में किसी तरह का बयान देकर टीआरपी बढ़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। कथावाचकों और साध्–संतों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जिन लोगों का अध्ययन कम है, उन्हें अपने ज्ञान को ठीक करना चाहिए। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर भी महंत राजकुमार दास ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का होना जरूरी है। विपक्ष नहीं होगा तो सत्ता पक्ष निरंकुश हो जाएगा। हालांकि, विरोध सोच–समझकर और उचित तरीके से होना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों विरोध के जरिए अपना राजनीतिक भविष्य तलाश रहे हैं। फिलहाल यह संभव होता नहीं दिख रहा है। इसके लिए उन्हें अभी और इंतजार करना पड़ेगा। पांच साल में बदलाव जरूरी के नारे पर महंत ने कहा कि बदलाव के पीछे कुछ कारण होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन, साधु–संतों और खासकर पौराणिक व ऐतिहासिक स्थलों और धर्मस्थलों की जो स्थिति आज बनी है, उसे देखते हुए उन्हें नहीं लगता कि महाराजा विक्रमादित्य के बाद कोई ऐसा शासक हुआ हो, जिसने राजसत्ता में रहते हुए देश और धर्म की इतनी चिंता की हो।

मोबाइल लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, दो मोबाइल और स्प्लेंडर बाइक बरामद

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर शहर और आसपास के इलाकों में राह चलते लोगों के मोबाइल फोन पर झपट्टा मारकर फरार होने वाले गिरोह का कोतवाली देहात पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मोबाइल झपटमारी और लूट की वारदातों में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के दो मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय मोबाइल लुटेरों के गिरोह का खुलासा हुआ है। एएसपी विशाल पांडेय ने बुधवार दोपहर 2ः30 बजे बताया कि बीते 21 अक्टूबर 2026 को एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात युवकों ने थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम डिहवा बैजपुर निवासी ध्रमेंराज आर्या और बृजेन्द्र कुमार चौधरी के मोबाइल फोन पर झपट्टा मारकर फरार हो गए थे। मामले में पीड़ित धर्मराज आर्या की तहरीर पर 2 नवंबर को कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज किया गया था।

एसपी के निर्देश पर वांछित



अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विष्णु उर्फ लकी और राजेन्द्र उर्फ निदू निवासी जोरावरपुर रमनगरा, थाना कोतवाली देहात तथा अनिल कुमार निवासी ग्राम कोटिया,थाना श्रीदत्तगंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार,पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि 21 अक्टूबर को विष्णु उर्फ लकी अपने दोनों साथियों अनिल कुमार और राजेन्द्र उर्फ निदू के साथ हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से निकला था। आरोपियों ने मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के पास एक ई–रिक्शा चालक का मोबाइल फोन लूट लिया था। इसके बाद रिंग रोड पर पैदल जा रहे एक अन्य व्यक्ति को निशाना बनाकर उसका मोबाइल भी छीन लिया था। पुलिस ने आरोपी विष्णु उर्फ लकी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। तीनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर जेल भेज दिया गया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राहुल कुमार भारती,उपनिरीक्षक शरद कुमार अवस्थी,कांस्टेबल राज चौधरी और कांस्टेबल संदीप निषाद शामिल रहे।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने बांधी काली पट्टी

संवाददाता–बलरामपुर। वर्षों से लंबित मांगों पर शासन की चुप्पी और लगातार हो रही उपेक्षा ने अनुदानित महाविद्यालयों के स्ववित्तपोषित शिक्षकों के सब्र का बांध तोड़ना शुरू कर दिया है। बुधवार दोपहर 3 बजे उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (फुपुक्टा)के आह्वान पर एमएलके पीजी कॉलेज,बलरामपुर में स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रमों के अनुमोदित शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। शिक्षकों ने साफ संदेश दिया कि वर्षों की सेवा के बावजूद उनके भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल,फुपुक्टा ने प्रदेश के 331 अनुदानित महाविद्यालयों में दो से पांच नवंबर तक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।



पुरानी पेंशन बहाली,स्ववित्तपोषित शिक्षकों का स्थायीकरण, विनियमितीकरण और यूजीसी वेतनमान के अनुरूप मानदेय समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर यह आंदोलन चलाया जा रहा है। महाविद्यालय के स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ.केपी मिश्र ने कहा कि स्ववित्तपोषित योजना के तहत संचालित पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षक पिछले 25 वर्षों से अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं।

फुपुक्टा ने उनकी इस लंबे समय से लंबित मांग को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के 331 अनुदानित महाविद्यालयों के स्ववित्तपोषित शिक्षकों के विनियमितीकरण और यूजीसी वेतनमान के अनुरूप मानदेय की मांग को अपने मांगपत्र में प्रमुखता से शामिल किया है।

इसी समर्थन के प्रति आभार जताते हुए शिक्षक काली पट्टी बांधकर आंदोलन में सहभागी बने हैं। संघ के महामंत्री डॉ.पंकज कुमार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका नींव के पत्थर जैसी होती है।

ऐसे में एक ही महाविद्यालय और एक ही छत के नीचे कार्यरत शिक्षकों के साथ दोहरी व्यवस्था आखिर कहां तक न्यायसंगत है उन्होंने कहा कि इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था से न केवल शिक्षकों का भविष्य असुरक्षित और अंधकारमय हो रहा है, बल्कि इसका प्रतिकूल असर विद्यार्थियों की शिक्षा पर भी पड़ रहा है।

वहीं, संघ के उपाध्यक्ष डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने सरकार से शिक्षकों की लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। इस विरोध प्रदर्शन में डॉ. एसके त्रिपाठी, डॉ. राजन प्रताप सिंह, डॉ. केके सिंह, डॉ. सुनील कुमार शुक्ल, डॉ. आरबी त्रिपाठी, मसूद मुगद, डॉ. राहुल विशेन, डॉ. पवन कुमार सिंह और डॉ. वंदना सिंह सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों का कहना है कि यह विरोध केवल अपनी मांगों के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में समानता, सम्मान और सुरक्षित भविष्य की लड़ाई भी है।

तुरहा समाज ने जाति प्रमाण पत्र के लिए प्रदर्शन किया

संवाददाता–महराजगंज। सदर तहसील में बुधवार दोपहर 2 बजे तुरहा समाज के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों ने तहसील प्रशासन से जल्द प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जाति प्रमाण पत्र नही बनने से समाज के लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है। पात्र होने के बावजूद वे जरूरी सरकारी सुविधाओं और योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। तुरहा समाज के लोगों ने कहा कि वे लंबे समय से जाति प्रमाण पत्र बनवाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने तहसील प्रशासन से प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग की।

धरने में शामिल लोगों ने कहा कि मांग पर ठोस कार्रवाई होने तक वे आवाज उठाते रहेंगे। तहसील परिसर में काफी देर तक प्रदर्शन और धरना चला।

अधिवक्ताओं ने त्योहारों में मिलावट रोकने की मांग की



संवाददाता–बलरामपुर। अधिवक्ताओं ने दीपावली और भैया दूज पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि त्योहारों पर बाजार में नकली खोवा, मिलावटी पनीर, रेडीमेड मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री बढ़ने की आशंका रहती है। सरसों के तेल, रिफाइंड, सब्जी मसालों, हल्दी, धनिया और मिर्च पाउडर में भी मिलावट की शिकायतें आती रहती हैं। अधिवक्ताओं ने खोवा, पनीर, तेल, रिफाइंड और मसालों की नियमित जांच कराने की मांग की। उन्होंने मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने और बेचने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

ज्ञापन में कानपुर, आगरा और अन्य महानगरों से आने वाली रेडीमेड मिठाइयों की गुणवत्ता जांचने की मांग भी की गई। अधिवक्ताओं ने कहा कि मिठाई के डिब्बों और दुकानों पर निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, कीमत और खाद्य सामग्री की जानकारी स्पष्ट रूप से लिखी होनी चाहिए। खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों को लेकर भी ज्ञापन में चिंता जताई गई। अधिवक्ताओं ने सड़क किनारे टिकिया, समोसा, पकौड़ी, ब्रेड पकौड़ा, नमकीन, चाउमीन, बर्गर, पिज्जा और डोसा बेचने पर नियंत्रण की मांग की। उन्होंने इन खाद्य पदार्थों को धूल–मिट्टी और संक्रमण से बचाने के लिए दुकानों पर ढकने की व्यवस्था अनिवार्य करने का सुझाव दिया।

अधिवक्ताओं ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि कार्रवाई के नाम पर गरीब और छोटे दुकानदारों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। उन्हें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुधारने का अवसर दिया जाए और पहले चेतावनी देकर निर्धारित समय में कमियां दूर करने को कहा जाए। इसके बावजूद नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

पांच चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। सदर कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने बुधवार दिन में 3 बजे एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद कीं। आरोपी बिहार के सिवान जिले का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, बरियारपुर थाना क्षेत्र के चकरवा धूस उर्फ पनसरही निवासी विवेकानन्द त्रिवेदी ने 19 सितंबर को कोतवाली में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि वह पिता की दवा लेने तिलक रोड स्थित अजय फार्मा गए थे। शाम करीब 6 बजे उन्होंने अपनी हीरो एचएफ डीलक्स बाइक दुकान के सामने खड़ी की थी। दवा लेकर लौटे तो बाइक गायब थी। खोजने के बाद भी उसका पता नहीं चला। इस मामले में कोतवाली में केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान 3 नवंबर को पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चीनी मिल ग्राउंड के किनारे से मुहम्मद अफ्फान उर्फ मासूम (24) को गिरफ्तार किया। वह मोहम्मद हारुल का बेटा और मिसकढ़ी मैरवा, थाना मैरवा, जिला सिवान, बिहार का निवासी है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पांच मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस के अनुसार, एक बाइक कोतवाली में दर्ज केस नंबर 773ध्2026, दूसरी सलेमपुर के केस नंबर 414/2024 और तीसरी रामपुर कारखाना के केस नंबर 139/2025 से जुड़ी है।

पुलिस और एसएसबी की टीम ने बॉर्डर पर कद्दू का बीज लदा पिकअप पकड़ा



संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के बहुआर चौकी पुलिस और एसएसबी झुलनीपुर की टीम ने बुधवार को बॉर्डर से सटे गोडहवा पुल के पास एक पिकअप पर लदा 75 बोरी कद्दू का बीज पकड़ा है। इसे नेपाल से नाव के द्वारा नारायणी नदी में टेल फॉल तक लाया गया था और पिकअप पर लादकर कुशीनगर भेजा जा रहा था। टीम ने कद्दू बीज लदे पिकअप को सीज कर कस्टम एक्ट में कार्रवाई की है। बहुआर चौकी इंचार्ज मनोज कुमार गुप्ता, एसआई कपिल प्रजापति, कांस्टेबल रामाशीष यादव, शुभम वर्मा आदि को लेकर गश्त में निकले थे। इस दौरान एसएसबी झुलनीपुर के एसआई सामान्य रविन्द्र कुमार यादव भी अपनी टीम के साथ मौजूद मिले। इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि एक पिकअप पर कद्दू बीज लादकर टेल फॉल से तेरह चार पुल की तरफ लाया जा रहा है।

इसे कुशीनगर ले जाने की योजना है। इस सूचना को एसएसबी पथलहवा के निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय को भी बताया गया। टीम ने गेड़हवा पुल के पास पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दी। इस बीच एक पिकअप आते हुए दिखाई दी। टीम ने गाड़ी को रोककर चालक से पूछताछ शुरू कर दिया। इस दौरान चालक ने अपना नाम हैदर अली निवासी खैरहवा दूबे थाना परसामलिक बताया। पिकअप पर लदे सामान के बारे में उसने बताया कि पिकअप पर 75 बोरी कद्दू बीज लादा गया है। इसे कुशीनगर ले जाया जा रहा है। प्रत्येक बोरी 40 किलोग्राम की है। बहुआर चौकी इंचार्ज मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि पकड़े गए कद्दू बीज लदे पिकअप को सीज कर कस्टम एक्ट में कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी बोले– लोकतंत्र में बदला नहीं बदलाव होता है, जनता तय करती है अपना फैसला

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। राहुल गांधी का फुस्स रॉकेट बताते हुए कहा कि उनका बारूद समाप्त हो चुका है। कांग्रेस चाहे जितनी बार उन्हें लॉन्च कर ले, अब वह लॉन्च नहीं होने वाले।



वहीं, अखिलेश यादव के बदला लेने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के बबुआ को कोई समझाए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि पाकिस्तानी और बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों को आपत्ति क्यों है? उन्होंने आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन अपनी चुनावी पराजय छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। मुख्यमंत्री योगी महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में भाजपा द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह पहला गोरखपुर दौरा है। लोकतंत्र को मजबूत करने और अराजकता के खिलाफ जनजागरण के लिए उन्होंने बाबा गोरक्षनाथ की धरती को नमन किया। यह पदयात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि सपा अध्यक्ष ने कहा है कि अगली पीढ़ी हर लाठी और हर जख्म का बदला लेगी। उन्होंने पलटवार किया कि समाजवादी पार्टी के बबुआ को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, जनता बदलाव करती है। वर्ष 2014 में देश और 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने बदलाव करके दिखाया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा–कांग्रेस को मिली कुल सीटों से अधिक 255 सीटें अकेले भाजपा ने 2022 में जीती थीं। जनता ही तय करती है कि किसे सत्ता सौंपनी है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की राजनीतिक लॉन्चिंग पर तंज कसते हुए कहा कि दीपावली पर कुछ रॉकेट ऐसे होते हैं, जिनमें बत्ती लगाने के बाद लोग आसमान की ओर देखते रह जाते हैं, लेकिन रॉकेट वहीं धुआं छोड़कर बुझ जाता है। राहुल गांधी की भी यही स्थिति हो चुकी है। कांग्रेस ने वर्ष 2004 में सांसद, 2007 में महासचिव, 2013 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 2017 में राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर उन्हें लॉन्च किया।

इसके बाद 2019 में वह अमेठी से चुनाव हार गए। भारत जोड़ो यात्रा, न्याय यात्रा और अधिकार यात्रा से भी स्थिति नहीं बदली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी 56 वर्ष के हो गए हैं, लेकिन कांग्रेस के लिए अभी भी युवा हैं। अब यह युवा कभी लॉन्च नहीं होने वाला है। मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1952, 1962 और 2003 सहित अलग–अलग समय में मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ है। कांग्रेस के शासनकाल में इसका समर्थन किया जाता था, लेकिन आज निर्वाचन आयोग जब बांग्लादेशी घुसपैठियों, पाकिस्तानियों और मृत व्यक्तियों के नाम हटाने की कार्रवाई कर रहा है तो विरोध हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई विदेशी घुसपैठिया मतदाता सूची में नाम दर्ज कराता है तो वह भारत के किसी गरीब, दलित और वंचित का अधिकार छीनता है। ऐसे नाम हटाना उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर अराजकता पैदा करने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों को देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने राहुल–अखिलेश की जोड़ी की तुलना बार–बार परीक्षा में असफल होने वाले छात्र से की। कहा कि ऐसा छात्र कभी कॉपी गायब होने, कभी प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम से बाहर आने और कभी पेन की स्याही समाप्त होने का बहाना बनाता है। अपनी असफलता स्वीकार नहीं करता। दोनों नेताओं की भी यही स्थिति है। चुनाव जीतने पर अपना पुरुषार्थ बताते हैं और हारने पर ईवीएम तथा निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 44, वर्ष 2019 में 52 और वर्ष 2024 में 99 सीटें मिलीं। तीनों चुनावों में कुल 195 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा ने अकेले 2024 में 240 सीटें जीतीं। उन्होंने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के चुनावी परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि बार–बार की हार के बावजूद कांग्रेस आत्ममंथन नहीं करती। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र पर उपदेश दे रही है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या कांग्रेस आपातकाल में प्रताड़ित लोगों और जान गंवाने वालों के परिजनों से माफी मांगेगी? वर्ष 1984 की सिख विरोधी हिंसा का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि एक नवंबर को जब देश पीड़ित परिवारों को याद कर रहा था, तब कांग्रेस दिल्ली में जश्न मना रही थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। कुछ लोग देश को बांग्लादेश, नेपाल या श्रीलंका जैसा बनाने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन नया भारत अराजकता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले सपा की चार सरकारों में 1500 से अधिक दंगे हुए। पर्व–त्योहारों से पहले कर्फ्यू लगना आम था। बेटियां और व्यापारी असुरक्षित थे। आज प्रदेश सुरक्षा और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की पदयात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का अभियान है। उन्होंने उपस्थित लोगों से श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश का नारा लगवाया। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने आरोप लगाया कि विपक्ष विदेशी ताकतों के इशारे पर भारत में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहा है। नेपाल और बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां पैदा करने की कोशिशों से जनता को सावधान करने के लिए यह पदयात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है, लेकिन सपा और कांग्रेस को यह बदलाव पसंद नहीं आ रहा है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी व कमलेश पासवान, सांसद रवि किशन, मंत्री संजय निषाद, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, ए.के. शर्मा, दारा सिंह चौहान, दयाशंकर सिंह, विजय लक्ष्मी गौतम, दानिश आजाद अंसारी, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा और क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घर के अंदर फंदे से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के सिकरी गांव में बुधवार सुबह एक युवक का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी जांच कर जरूरी सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह फोन पर सूचना मिली कि एक युवक घर में फंदे से लटका हुआ है। थानाध्यक्ष मनीष जायसवाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान 33 साल के दीपक पुत्र जोगी के रूप में हुई।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 163/2026
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
संतोषधर आदि
बनाम
अरूणधर द्विवेदी आदि
1. अरूणधर द्विवेदी उम्र लगभग 43 वर्ष 2. वरूणधर द्विवेदी उम्र लगभग 39 वर्ष 3. राजीवधर द्विवेदी उम्र लगभग 36 वर्ष 4. राघवेन्द्र धर द्विवेदी उम्र लगभग 34 वर्ष पुत्रगण उमाशंकरधर द्विवेदी निवासीगण ग्राम व पोस्ट रमवापुर दूबे तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 26–11–2026
प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **26.11.2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–273/2025
राम प्रसाद आदि
बनाम
श्रीमती उमा देवी
1 श्रीमती उमा देवी उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी जय शंकर दूबे निवासी ग्राम दुबौली दूबे तप्पा खुरियार पगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 18–01–2027
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 215/2026
सोनबरसा–सायल
सोनबरसा आयु करीब 75 साल पत्नी राम छट्ठी साकिन भूपालपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
–आवेदिका
तारीख पेशी 26–11–2026
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 11 के 26 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षार और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026 के 11 माह के 04 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

प्रदेशीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बस्ती मण्डल का दबदबा



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में 30 अक्टूबर से तीन नवंबर तक आयोजित 70वीं प्रदेशीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बस्ती मंडल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विभिन्न आयु वर्गों की स्पर्धाओं में मंडल की चार छात्राओं ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में आर्य कन्या इंटर कॉलेज बस्ती की छात्रा ज्योति गुप्ता ने 100 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। वहीं नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया की काजल ने अंडर–19 वर्ग की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा की आशू ने अंडर–17 डिस्कस थ्रो तथा आरडी कॉन्वेंट चिलमा बाजार की अनुष्का ने अंडर–14 वर्ग की 200 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त कर मंडल का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में बस्ती जिले के शारीरिक शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं मंडलीय क्रीड़ा सचिव अमित कुमार यादव, अजय कुमार वर्मा, संतोष कुमार पाण्डेय, अमरनाथ मौर्य और हरीश सिंह सहित अन्य खेल शिक्षकों ने प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह ने कहा कि प्रदेशीय प्रतियोगिता में बस्ती मंडल की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन जिले और मंडल के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और खेल प्रतिभा से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पदक विजेता छात्राओं, उनके प्रशिक्षकों और शारीरिक शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे मंडल और प्रदेश का नाम रोशन करने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकें।

ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ोखर के परिसर में बुधवार को रामनगर ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ब्लॉक के विभिन्न न्याय पंचायतों के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी रामनगर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राथमिक शिक्षक संघ रामनगर के अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह एवं एआरपी गणित हरिकृष्ण उपाध्याय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन विनोद कुमार एवं दिलीप कुमार द्विवेदी के संयोजन में किया गया।

खो–खो बालिका वर्ग में न्याय पंचायत बड़ोखर ने प्रथम तथा नरखोरिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में बड़ोखर प्रथम और कलंदर नगर द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी बालक वर्ग में बड़ोखर ने प्रथम तथा घोषना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में बड़ोखर प्रथम और नरखोरिया द्वितीय स्थान पर रहा। दौड़ प्रतियोगिता के 50 मीटर में क्रांति ने प्रथम और आफरीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में बड़ोखर की निशु प्रथम तथा शंकरपुर की क्रांति द्वितीय रहीं। 200 मीटर बालक वर्ग में शंकरपुर के शिवा ने प्रथम और तुसायल के हरिओम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में बड़ोखर

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com

संपत्ति विवाद के चलते वृद्ध की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। संपत्ति विवाद के बीच करीब 90 वर्षीय वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के बनकटा गांव में बुधवार सुबह हुई घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। बड़े बेटे ने छोटे भाई की पत्नी पर पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है, जबकि छोटे बेटे और वृद्ध की पत्नी ने मौत को स्वाभाविक बताया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी सुबंश साहनी पुत्र सक्कू बुधवार सुबह उठकर शौच के लिए गए थे। वापस लौटने पर पत्नी धर्म देवी ने उन्हें दातुन करने के लिए कहा। इसके बाद वह तख्त पर लेट गए। बताया जाता है कि सुबह करीब 8रू30 बजे वह मृत अवस्था में मिले।

घटना की जानकारी होते ही स्वजन में चीख–पुकार मच गई। आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। सूचना पर पीआरवी टीम पहुंची। मृतक के बड़े बेटे श्याम बहादुर साहनी ने आरोप लगाया कि उनके भाई परमात्मा की पत्नी सुशीला ने गला दबाकर पिता की हत्या की है।

बताया जा रहा है कि वृद्ध ने अपनी चल–अचल संपत्ति छोटे बेटे की पत्नी के नाम कर दी थी। इसको लेकर न्यायालय में विवाद चल रहा है। हालांकि, छोटे बेटे परमात्मा और वृद्ध की पत्नी धर्म देवी ने किसी अनहोनी से इन्कार करते हुए मृत्यु को सामान्य बताया। बाद में श्याम बहादुर ने पुलिस को तहरीर देकर पिता की मृत्यु पर संदेह जताया।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मृत्यु स्वाभाविक प्रतीत हो रही है। हालांकि, संपत्ति विवाद को देखते हुए मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी शाहिना जहीर पत्नी स्वर्गीय जहीरुद्दीन अहमद वार्ड संख्या 5 पिकौरादत्तूरा पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। मेरा गाटा संख्या 123 मि0 का रजिस्ट्री बैनामा का मूल अभिलेख फोटो कापी कराते समय कहीं गिर गया है। काफी खोजने के बाद भी नहीं मिला। यदि किसी को प्राप्त हो तो मेरे पते पर उपलब्ध कराकर सहयोग करें। गाटा संख्या 123, क्षेत्रफल 0.09, प्लॉट संख्या 890, पेपर संख्या 287 से 290, सीरियल संख्या 1242 की संपत्ति प्रॉपर्टी लोन (Property Loan) के लिए पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के पक्ष में बंधक (Mortgage) की जानी है। उक्त संपत्ति के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति, दावा अथवा अधिकार हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर पंजाब नेशनल बैंक (PNB) की संबंधित शाखा से संपर्क कर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शहेदा खातून पत्नी निहाल अहमद व तलहा निहाल पुत्र निहाल अहमद निवासी ग्राम औसानपुर वार्ड नं. 10, अश्फाक नगर डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर के है अपनी पैतृक भूमिधरी गाटा संख्या 301,व 303 में से रकबा 1545 वर्गफीट जमीन,मय मकान, दुकान स्थित ग्राम कोसोखुर्द बुजुर्ग तप्पा हल्लौर परगना रसूलपुर जिला सिद्धार्थनगर जिसकी चौहदी पूरब मकान मकबूल खान पश्चिम डुमरियगंज से बस्ती सड़क उत्तर मकान महबूब हसन दक्षिण मकान अनावारूल हक है का बैनामा संजीव कुमार, राजीव कुमार पुत्र राममोहन निवासी ग्राम वार्ड नं0–4. सुभाष नगर डुमरियगंज जिला बस्ती को करने हेतु सहमत है जिस किसी को इस गांटे 301 व 303 के बैनामे से कोई आपत्ति अथवा उनकाहित समाहित हो वे आज नोटिस प्रकाशन के एक सप्ताह के अन्दर मेरे पते पर अथवा मै पीरामल फाइनेन्स कम्पनी से ऋण लेकर यह भूखण्ड व शाप क्रय कर रहा हूँ, के अधिवक्ता श्री अनिल कुमार पाण्डेय एडवोकेट सिविलवार एसोसिएशन बस्ती कमरा नं0– 28 जनपद बस्ती का मोबाइल नं0–9721610471 पर वाट्सअप के माध्यम से लिखित व काल कर दे सकते है।

भवदीय
अनिल कुमार पाण्डेय

दो थानों के साइबर प्रभारियों की जांच के आदेश

संवाददाता–संतकबीरनगर। एसपी संदीप कुमार मीना ने पुलिस कार्यालय में जिले के सभी थानों के साइबर प्रभारियों और साइबर थाना प्रभारी के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान साइबर अपराध से जुड़े पोर्टल पर हो रहे कार्यों और उनकी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में एसपी ने सभी साइबर प्रभारियों से पोर्टल पर उपलब्ध कार्यों और उनकी प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का समय से और सही तरीके से निस्तारण किया जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। एनसीआरबी पोर्टल पर समीक्षा के दौरान बखिरा और धर्मसिंहवा थानों की प्रगति अन्य थानों के मुकाबले कम पाई गई। इस पर एसपी ने दोनों थानों के साइबर प्रभारियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच कराने के निर्देश दिए।

अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों की टीमें करेंगी प्रतिभाग, पंजीकरण एवं प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने तथा विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा 'बस्ती खेल संगम 2026' एवं '15वां बस्ती मैराथन 2026' का आयोजन 26 से 29 नवंबर तक किया जाएगा। कुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में संस्था के पदाधिकारियों ने आयोजन की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस बार मैराथन के साथ तीन दिवसीय अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। खास बात यह है कि सभी प्रतियोगिताओं एवं मैराथन में प्रतिभाग के लिए पंजीकरण और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। प्रेस वार्ता में बताया गया कि बस्ती मैराथन अपने आयोजन के 15वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए संस्था द्वारा मैराथन के साथ 'बस्ती खेल संगम 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जनपद के विभिन्न विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिताओं में बैडमिंटन, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेल आयोजित किए जाएंगे। खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम, बस्ती में प्रस्तावित है। आयोजन की रूपरेखा के अनुसार 26 नवंबर को उद्घाटन समारोह होगा। 26, 27 एवं 28 नवंबर को लगातार तीन दिनों तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 115/2026
इम्तियाज अहमद
बनाम
नरेश चन्द्र आदि
1. नरेश चन्द्र उम्र लगभग 88 वर्ष पुत्र साहेबराम साकिन मुहल्ला बेलवाडाड़ तप्पा देवरॉव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती हसीबुन्निशा उम्र लगभग 63 वर्ष पत्नी अब्दुल समद निवासी मुहल्ला रहमतगंज पोस्ट गॉधीनगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
3. सीताराम उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र सुवालाल साकिन मुहल्ला बेलवाडाड़ तप्पा देवरॉव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षी तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 24–11–2026
हरगाह मु.द.दई
मजकूरूसदर ने जिले के सभी में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूबी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 24 माह 11 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मआजा हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–478/1993
अनिरूद्ध प्रसाद
बनाम
सियाराम आदि
4/2 राहुल कुमार पुत्र सुनील कुमार 4/3 प्रियंका 4/4 निधि 4/5 मधु 4/6 शिवानी पुत्रीगण सुनील कुमार निवासीगण ग्राम टिकरिया महुआपार तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 06–11–2026
हरगाह मुदद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुदद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम